

31/10/23

पत्रिका
श्री
वर्षा

वायी स्वेप जरीफ अधिवक्ता से
 उपस्थित होकर एक पत्र साबित
 पत्रायनी लख करने ल्ये वाद
 को विद्रा करने का पेशा होते
 पर पत्रायनी आप लख सी गरी
 वायी न एक फा साबित वाद विद्रा
 का पेशा कर नियोजन विषय से
 ही वादी लख रश वाद न माते
 सैफि संप्रदायी गरी माहदा
 २) माह! वाद को विद्रा करने
 ही माहकरी पदन को
 डा. पत्रा / पत्रायनी का उल्लेख
 विषय उल्लेख पत्रायनी का



फर्ट अहकाम

मुकेश बनाम मन्जु कौर

महाराष्ट्र राज्य
अदालत मुंबई

आज्ञा या रयवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
	<p>१। पत्नी बाबट वाद विदा का इच्छित विप जाय वाद को विदा करने का अधिकार प्रदान कि जाय है। पत्रावली में मूल मुद्दा दोन दफा नम्बर से कम दोन शब्दों पर दूर है।</p>	